

Ganga Aarti: Om Jai Gange Mata

Verse 1

ॐ जय गंगे माता, मैया जय गंगे माता।
जो नर तुमको ध्याता, मनवांछित फल पाता ॥

*Om jay gange mata, maiya jay gange mata.
Jo nar tumko dhyata, manvanchhit phal pata
//*

Verse 2

चन्द्र-सी ज्योति तुम्हारी, जल निर्मल आता।
शरण पड़े जो तेरी, सो नर तर जाता ॥

*Chandra-si jyoti tumhari, jal nirmal aata.
Sharan pade jo teri, so nar tar jaata //*

Verse 3

पुत्र सगर के तारे, सब जग को ज्ञाता।
कृपा दृष्टि हो तुम्हारी, त्रिभुवन सुख दाता ॥

*Putra sagar ke tare, sab jag ko gyata.
Kripa drishti ho tumhari, tribhuvan sukh data
//*

Verse 4

एक बार जो प्राणी, शरण तेरी आता।
यम की त्रास मिटाकर, परमगति पाता ॥

*Ek bar jo prani, sharan teri aata.
Yam ki tras mitakar, paramagati pata //*

Verse 5

आरती मातु तुम्हारी, जो नर नित गाता।
सेवक वही सहज में, मुक्ति को पाता ॥

*Aarti matu tumhari, jo nar nit gata.
Sevak vahi sahaj mein, mukti ko pata //*